केतु ग्रह के कारकत्व

केतु ग्रह के कारकत्व अर्थात वे विशेष कारण या विषय वस्तुएं आदि जिनसे हम उस समय पूरी तरह प्रभावित होते हैं, जिस समय हम केतु ग्रह की दशा, गोचर, योग और अवस्था आदि में पूरी तरह प्रयत्नशील रहते हैं या उस आयु अवस्था आदि पर पहुंच जाते हैं, केतु ग्रह के वे सभी विशेष प्रभावित करने वाले तत्व निम्न प्रकार से हैः-

वैद्य, चिकित्सक, सभी प्रकार का धन वैभव, सम्पन्नता, पाषाण (पत्थर), उदर (पेट), दुविधापूर्ण मानसिकता, ब्रह्म ज्ञान, वेदांत, अध्यात्म, विरक्त योगी, संघर्ष, औजारों के उपयोग में कुशलता, षड़यंत्र, अग्निकांड, धुआं, अपराधी, वैराग्य, घाव, अत्याचार, दर्द, ज्वर, शत्रुओं को नुकसान पहुंचाना, जादू-टोना, कुत्ता, सींग वाले पशु, मोक्ष, सास-ससुर, नाना, दादी, कठिन कार्य में सफलता, रोग, सभी प्रकार के चर्म रोग, दाद-खाज, कुष्ठ रोग, मानसिक रोगी, कोर्ट-कचहरी, यात्राऐं, छुपी हुई वस्तुओं या ज्ञान की खोज करने वाला, पारलौकिक प्रभावों, किसी विशेष कार्य में प्रसिद्धि के शिखर पर पहुँचाने में सहायक, आध्यात्मिकता आदि।